प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

उद्यमिता विकास कार्यक्रमों एवं कोचिंग कक्षाओं का समापन

पंतनगर। 23 मार्च 2021। विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में सितम्बर, 2020 से अनवरत् चल रहे उद्यमिता विकास कार्यक्रयों एवं कोचिंग कक्षाओं का समापन शनिवार को वर्चुअल मोड पर हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक, कृषि शिक्षा, डा पी.एस. पाडे एवं विशिष्ट अतिथि, उत्तराखण्ड योजना आयोग के उपाध्यक्ष, श्री विनय कुमार रोहेला ऑनलाइन उपस्थित थे। इस अवसर पर अन्य विशिष्ट अतिथि, उत्तराखण्ड अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष, श्री मुकेश कुमार के साथ कुलपति, डा. तेज प्रताप मंचासीन थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता, कुलपति, डा तेज प्रताप ने की। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों का स्वागत अनुसूचित जाति उपयोजना के मुख्य संयोजक एवं अधिष्ठाता कृषि व्यवसाय, डा. आर.एस. जादौन ने किया। इसके उपरांत समस्त महाविद्यालयों के समन्वयकों ने महाविद्यालयों में संचालित कार्यक्रयों की रूप–रेखा प्रस्तुत की। सर्वप्रथम समन्वयक, कृषि महाविद्यालय, डा. ओमवीर सिंह; समन्वयक, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय, डा. एस.पी. सिंह; समन्वयक, प्रौद्योगिक महाविद्यालय, डा. सुनील सिंह; समन्यवक, गृह विज्ञान महाविद्यालय, डा. सीमा क्वात्रा; तथा समन्वयक, मत्स्य विज्ञान, मानविकी महाविद्यालय एवं कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, डा अवधेश कुमार ने कार्यक्रमों के बारे में बताया।

मुख्य अतिथि, डा. पी.एस. पाण्डे, द्वारा समस्त संचालित कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने अपनी गरिमा के अनुरूप इन कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से आयोजित किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसे कार्यक्रम के प्रोत्साहन हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद वित्तीय सहयोग प्रदान कर सकता है। कुलपति, डा. तेज प्रताप, ने विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना विकसित करने पर बल दिया और ईमानदारी के साथ अपना भविष्य चुनने की सलाह दी। विशिष्ट अतिथि श्री विनय कुमार रोहेला ने उद्यमिता कार्यक्रमों के सम्पादन हेतु विश्वविद्यालय की प्रंशसा की। साथ ही केन्द्र एवं राज्य सरकार की उद्यमिता आधारित योजनाओं की जानकारी भी दी। अन्य विशिष्ट अतिथि, श्री मुकेश कुमार ने विद्यार्थियों से कहा कि उन्हें रोजगार देने वाले व्यवसाय का चुनाव करना चाहिए। उपस्थित विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर अपने अनुभवों का साझा किया। इस अवसर पर अतिथियों ने डा. ओमवीर सिंह, डा. एस.पी. सिंह एवं डा. सीमा क्वात्रा द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के व्याख्यानों की निर्मित सार–संग्रह का विमोचन किया।

अतिथियों द्वारा कार्यक्रम से सम्बन्धित मुख्य–समन्वयक, समन्वयक, उप–समन्वयक, अनुश्रवण अधिकारी, विद्यार्थी एवं कर्मचारियों को प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन कृषि महाविद्यालय के समन्वयक, डा. ओमवीर सिंह ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता, संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

मंचासीन कुलपति डा. तेज प्रताप एवं अन्य वैज्ञानिक।